फोन : 0141–2740441

राजस्थान राज्य सहकारी संघ, जयपुर

नेहरू सहकार भवन, जयपुर

राजस्थान राज्य सहकारी संघ की स्थापना 21 दिसम्बर, 1957 को हुई थी। यह एक राज्य स्तरीय शीर्ष एवं प्रवक्ता सहकारी संस्था है। इस संस्था का गठन सहकारी संस्था अधिनियमान्तर्गत है, जिसका उद्धेश्य राज्य के सहकारी आंदोलन को प्रतिनिधित्व प्रदान करना है। सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिये यही एक मात्र राज्य स्तरीय वैधानिक संस्था है। राज्य सहकारी संघ के पंजीकृत उपविधियों के अनुसार इसके संचालक मण्डल में संचालन शक्ति निहित है। वर्तमान में संचालक मण्डल अल्प मत में है। श्री हरकीरत सिंह, मुख्य कार्यकारी के पद एवं संस्थागत अधिकारी श्री बी.एस.सोयल सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत है। संघ के कुल सदस्य 363 हैं।

उद्धेश्य–

राज्य सहकारी संघ का मुख्य उद्धेश्य सहकारी शिक्षण प्रशिक्षण एवं प्रचार प्रसार है एवं राज्य सरकार द्वारा व भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ,नई दिल्ली द्वारा सौपें गये दायित्वों का पालन करना है। सहकारी शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में संघ द्वारा चार सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनायें क्रमशःजयपुर, अजमर, जोधपुर व सवाई माधोपुर में संचालित है तथा सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र,जयपुर संचालित है। सहकारी शिक्षण कार्यक्रम का उद्धेश्य राज्य के सहकारी संस्थाओं (यथा केन्द्रीय सहकारी बैंक, प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, क्रय–विक्रय सहकारी समितियां, उपभोक्ता भंडार, ग्राम सेवा सहकारी समितियां, लैम्पस, डेयरी, महिला सहकारी बचत समितियां एवं स्वंय सहायता समूह) के पदाधिकारियों/सदस्यों को सहकारी सिद्धांतों, सहकारी नियम, उपनियम,संचालक मण्डल के अधिकार एवं कर्तव्य, सहकारी साख/विपणन आदि के बारे में जानकारी के साथ–साथ सहकारी नवाचारों के बारे में भी शिक्षण–प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत पैक्स एवं सी.सी. बी.,पी.एल.डी.बी., मार्केटिंग एवं भण्डारों के कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाता है। इस सहकारी शिक्षण प्रशिक्षण के माध्यम से सहकारी संस्थाएं जागरुक होकर राज्य के सहकारी आन्दोलन को सफल बनाने में अपना योगदान कर सकें।

सहकारी प्रशिक्षण एवं शिक्षण कार्यक्रम

एनसीयूआई द्वारा प्रदत्त प्रशिक्षण कार्यक्रम डिप्लोमा इन कॉ–ऑपरेटिव मैनेजमेंट, समरूपता लेखा प्रणाली, लेखा एवं ऑडिट, कम्प्यूटर अवेयरनेस, सहकारी प्रबंध एवं वित्तीय लेखांकन, सहकारी साख व बैंकिंग एवं मार्केटिंग/डेयरी के पदाधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

राजस्थान राज्य सहकारी संघ द्वारा अपनी चार सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनाओं एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर द्वारा निम्न शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैंः–

प्रशिक्षण कार्यक्रम	शिक्षण कार्यक्रम (प्रथम भाग)
1. 20 साप्ताहिक डिप्लोमा इन कॉ–ऑपरेटिव मैनेजमेंट	1.तीन दिवसीय प्रबंध समिति सदस्यों को प्रशिक्षण

2. पैक्स के व्यवस्थापकों हेतु कम्प्युटर अवेयरनेस प्रशिक्षण शिविर (सेन्ट्रल सेक्टर योजनान्तर्गत) पन्द्रह दिवसीय	2.दो दिवसीय साधारण/भावी सदस्यों को प्रशिक्षण
	3.प्राथमिकदुग्ध उत्पादक सहकारी समितियो के निर्वाचित पदाधिकारियों व संचालकों हेतु, एक दिवसीय
	4.महिलासहकारीसमितियों के पदाधिकारियों हेतु(सैन्ट्रलसैक्टर योजनान्तर्गत) एक दिवसीय
3. पैक्स के व्यवस्थापकों हेतु कम्प्युटर अवेयरनेस प्रशिक्षण शिविर (सेन्ट्रल सेक्टर योजनान्तर्गत) पॉच दिवसीय	5.ग्राम सेवा सहकारी समितियो के निर्वाचित पदाधिकारियों/संचालकों हेतु, एक दिवसीय
	6.नवगठित महिला सहकारी समितियों के पदाधिकारियों हेतु 5 दिवसीय

(द्वितीय भाग)

4. पैक्स के व्यवस्थापकों हेतु समरूपता लेखा प्रणाली के प्रशिक्षण (तीन दिवसीय)	1. प्रबन्ध समिति की बैठकें
5. प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियो के निर्वाचित पदाधिकारियों व संचालकों हेतु, एक दिवसीय	2. आम सभा
6. नवगठित महिला समितियों के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शिविर (सेन्ट्रल सेक्टर योजनान्तर्गत) (एक सप्ताह)	3. युवक शिविर
7. पैक्स व्यवस्थापकों का आई.सी.डी.पी.योजनान्तर्गत (पांच दिवसीय)	4. प्रौढ़ शिक्षा शिविर
8. पैक्स व्यवस्थापकों का आई.सी.डी.पी.योजनान्तर्गत(दो दिवसीय)	5. स्वंय सहायता समूह शिविर
	6 .इफको द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर में वर्ष 2015–16 में 20 साप्ताहिक डिप्लोमा इन को–ऑपरेटिव मैनेजमेन्ट के कुल 3 सत्र आयोजित किये गये जिसमें 62 सहभागी, 5 दिवसीय आईसीडीपी योजनान्तगत 1 सत्र में 46 सहभागी, 2 दिवसीय आईसीडीपी योजनान्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम के 4 सत्रों में 118 सहभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

राजस्थान राज्य सहकारी संघ द्वारा संचालित सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर में वर्ष 2016–17 में 31 मई,2016 तक 20 साप्ताहिक डिप्लोमा इन कोऑपरेटिव मैनेजमेन्ट सत्र में 33 पैक्स व्यवस्थापक/सहायक व्यवस्थापकों प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया एवं 21 साप्ताहिक डिप्लोमा इन कोऑपरेटिव मैनेजमेन्ट सत्र में 19 पैक्स व्यवस्थापक/सहायक व्यवस्थापकों प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य सहकारी संघ द्वारा वर्ष 2015–16 में एक राज्य स्तरीय सहकार सम्मेलन का आयोजन एवं सहकारी संघ द्वारा संचालित चार सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनाओं द्वारा वर्ष 2015–16 में 31 मार्च,2016 तक तीन दिवसीय प्रबन्ध कार्यकारणी कमेटी सदस्यों के 402 प्रशिक्षण शिविरों में 3075 सहभागियों, दो दिवसीय साधारण एवं भावी सदस्यों के 406 प्रशिक्षण शिविरों में 12574 सहभागियों, एक जिला स्तरीय सहकारी सम्मेलन जिला दौसा में आयोजन कर 130 सहभगियों एवं प्रबन्ध कमेटी , आम सभा, युवक एवं महिला, प्रोढ शिक्षा व स्वयं सहायता समूह आदि के 226 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 3504 सहभगियों

को प्रशिक्षित किया गया । इस प्रकार कुल 1034 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 19153 सहभगियों को प्रशिक्षित किया गया ।

सहकारी संघ द्वारा संचालित चार सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनाओं द्वारा वर्ष 2016–17 में 31 मई,2016 तक तीन दिवसीय प्रबन्ध कार्यकारणी कमेटी सदस्यों के 62 प्रशिक्षण शिविरों में 478 सहभागियों, दो दिवसीय साधारण एवं भावी सदस्यों के 63 प्रशिक्षण शिविरों में 1728 सहभागियों, प्रबन्ध कमेटी आम सभा, युवक एवं महिला, प्रोढ शिक्षा व स्वयं सहायता समूह आदि के 30 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 427 सहभगियों को प्रशिक्षित किया गया ।

स्टाफ–

राजस्थान राज्य सहकारी संघ में वर्ष 1980 में 79 अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत थे। राज्य सहकारी संघ के अधीन पूर्व में चार सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र क्रमशः जयपुर, जोधपुर, भरतपुर एवं कोटा कार्यरत थे एवं चार सहकारी शिक्षा क्षेत्रीय परियोजनाएं कार्यरत थी। राज्य सरकार ने वर्ष 1995–96 में दो सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र बन्द करते हुए एक सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर के स्टॉफ को राइसेम में प्रतिनियुक्ति पर ले लिया गया। केवल संघ के अधीन एक सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर में कार्यरत रहा। जिसे बाद में राज्य सरकार के आदेशानुसार वर्ष 2006 में जयपुर स्थानान्तरित कर दिया गया।

शासन सचिवगणों की बैठक दिनांक 14.8.96 में लिये गये निर्णयानुसार संघ में 44 अधिकारी/कर्मचारियों के पद स्वीकृत किये गये एवं वेतन भत्तों के लिये शत प्रतिशत अनुदान दिये जाने का निर्णय लिया गया।

वर्तमान में राज्य सहकारी संघ में 22 कर्मचारी कार्यरत हैं जिनमें 1 पद मुख्य कार्यकारी, 1 पद सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी, 4 पद व्याख्याता, 11 पद सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक, 1 पद कृषि मार्गदर्शक प्रशिक्षक, 2 पद कनिष्ठ लिपिक एवं 2 पद पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, 1 वाहन चालक इस प्रकार कुल 22 कार्मिक है। इनमें से 1 कृषिमार्गदर्शक, प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं साथ ही 1 वाहन चालक राइसेम में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है तथा पृथक से 4 कार्मिक संविदा पर कार्यरत है। कर्मचारियों के सेवानिवृत हाने के कारण राजस्थान राज्य सहकारी संघ में 13 कार्मिकों की आवश्यकता होगी जो क्रमशः 1 व्याख्याता, 5 सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक, 1 कनिष्ठ लेखाकार, 3 कनिष्ठ लिपिक, 1 वाहन चालक, 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इस प्रकार **कुल 13 कार्मिकों की पूर्ति उपरांत संघ की गतिविधियां और अधिक सुविधापूर्वक संचालित की जा सकेगीं।**

प्रचार प्रसार कार्यक्रम–

राज्य सहकारी संघ द्वारा सहकारी प्रचार प्रसार की दृष्टि से पाक्षिक पत्र ''सहकार दर्शक'' माह जुलाई 2015 तक प्रकाशित किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त सहकार मार्गदर्शिका, पम्पलेट, सहकारी शिक्षण प्रशिक्षण कलेण्डर आदि का प्रकाशन किया जाता रहा है। सहकारी विषयों पर सहकारी सम्मेलन एवं कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती रही है व जाती हैं। राज्य में जिला सहकारी संघों को मजबूत बनाने की दृष्टि से 26 अगस्त,13 को सभी जिला सहकारी संघों की बैठक आयोजित की गई है। दिनांक 9 फरवरी से 13 फरवरी 2015 तक गुजरात राज्य के सहकारी आन्दोलन के अध्ययन हेतु संघ के संचालक

एवं कोआपरेटरों द्वारा भाग लिया गया। दिनांक 25.2.2015 को राज्य स्तरीय सहकार सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि माननीय सहकारिता मंत्री श्री अजयसिंह किलक थे तथा समारोह की अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के उपाध्यक्ष श्री जी.एच. अमीन ने की। दिनांक 17 अप्रेल 2015 को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, राजस्थान राज्य सहकारी संघ व जिला सहकारी संघ, दौसा के तत्वाधान में जिला स्तरीय सहकार सम्मेलन सम्पन्न हुआ। वर्ष 2016–17 में भी पूर्व की भॉती एक राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सीकर एवं नागौर में जिला स्तरीय सहकारी सम्मेलन आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

वित्तीय स्त्रोत–

राजस्थान राज्य सहकारी संघ को राज्य सरकार से अनुदान बजट मद 2425–सहकारिता, 003 प्रशिक्षण (01) अधिनस्थ कर्मचारी वर्ग का प्रशिक्षण, 92–/अनुदान/सवेतन (आयोजना भिन्न) में वर्ष 2016–17 के लिए 55 लाख रुपये स्वीकृत है तथा बजट मद 2425–सहकारिता, 003 प्रशिक्षण (02) गैर सरकारी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, 92/अनुदान/सवेतन(आयोजना भिन्न) मद में 93 लाख रुपये स्वीकृत है। इस प्रकार वेतन–भत्तों हेतु राज्य सरकार से कुल अनुदान 55+93=148 लाखरुपये स्वीकृत है। राज्य सहकारी संघ एक शैक्षणिक एवं अनुदानित सहकारी संस्था है। राज्य सरकार द्वारा देय अनुदान के अतिरिक्त वित्तीय स्त्रोत शिक्षण प्रशिक्षण निधि से देय राशि ही है। चूंकि संघ व्यवसायिक संस्था नहीं है। अतः लाभ की स्थिति नहीं होती है।